वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 218 | बुधवार 6 दिसम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

कांग्रेस आलाकमान करेगा राजस्थान में विधायक दल के नेता का चयन

जयपुर. कासं। राजस्थान के कांग्रेस विधायक दल के नेता का चयन पार्टी आलाकमान करेगा। नए विधायकों की मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हुई बैठक में यह प्रस्ताव पारित किया गया। बैठक में एआईसीसी के पर्यवेक्षक मधुसूदन मिस्त्री, भूपेन्द्रसिंह हुड्डा, मुकुल वासनिक, राजस्थान प्रभारी सुखजिन्दर सिंह रंधावा, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा और निवर्तमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित सभी कांग्रेस के नवनिर्वाचित विधायक थे। बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रस्ताव रखा कि विधायक दल के नेता के मनोनयन का निर्णय कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष करें। इस प्रस्ताव का अनुमोदन राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने किया और सभी विधायकों ने हाथ उठाकर अपनी सहमति जताई और नेता के मनोनयन का अधिकार कांग्रेस आलाकमान को सौंपा। बैठक के पश्चात अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से नियुक्त पर्यवेक्षकों भूपेन्द्र हुड्डा, मुकुल वासनिक और अन्य नेताओं ने सभी विधायकों से एक-एक कर मुलाकात की और चुनाव नतीजों को लेकर समीक्षा भी की।

बादल छंटे, रात में लुढका पारा, अब शुष्क रहेगा मौसम

जयपुर. कासं

बीते 48 घंटे में प्रदेश के कई इलाकों में बारिश और बादलों की आवाजाही ने पारे की गिरती रफ्तार को थामा। अब बादल छंटते ही पारे की उलटी चाल शुरू हो गई है। बीती रात जयपुर समेत कई जिलों में रात में पारा 3 डिग्री तक गिर गया। वहीं हवा में नमी ज्यादा रहने से लोगों को सुबह शाम में गलनवाली सर्दी का भी अहसास होने लगा है। हालांकि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में मौसम शुष्क रहने की संभावना जताई है।

शेखावाटी में धूजणी

बीती रात शेखावाटी अंचल में फिर से हाड़ कंपाने वाली सर्दी का दौर शुरू हो गया। बीती रात सीकर में पारा 9.5 डिग्री दर्ज हुआ, जबकि जिले में फतेहपुर कृषि अनुसंधान केंद्र पर न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री सेल्सियस रहा जो मैदानी इलाकों में सबसे कम रहा है। पिलानी 8.6 में भी बीती रात पारा 8.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दूसरी तरफ हाड़ौती-मारवाड़ अंचल में अब भी रात में पारा सामान्य से अधिक दर्ज हो रहा है। हाड़ौती अंचल में कोटा जिले में बीती रात पारा 15.4 डिग्री रहा जबकि अंता 15.5 और डूंगरपुर में न्यूनतम तापमान 16.1 डिग्री रहा जो मैदानी इलाकों में सर्वाधिक रहा है। बीती रात राजधानी जयपुर में पारा एक डिग्री गिरकर 12.7 डिग्री रहा। बीती रात दिसंबर माह में

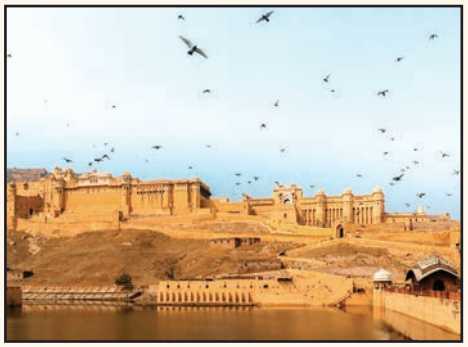

जयपुर में सीजन की सबसे सर्द रात रही। हालांकि शहर में सुबह छितराए बादलों की आवाजाही रही लेकिन सूर्योदय के बाद खिली धूप ने शहरवासियों को गलनवाली सर्दी से थोड़ी राहत दिलाई।

कहां कितना न्यूनतम तापमान

प्रदेश के कई जिलों में बीती रात पारे में उतार चढ़ाव रहा। अजमेर 12.9, भीलवाड़ा 12.6, अलवर 11.0, चित्तौ? 11.3, डबोक 13.4, सिरोही और करौली 9.3, बाडमेर 12.2, जैसलमेर 10.5, जोधपुर 13.6, फलोदी 15.2, चूरू 9.2, श्रीगंगानगर 11.0 और जालोर में न्यूनतम तापमान 11.9 डिग्री सेल्सियस रेकॉर्ड हुआ।

राजस्थान में सीएम चयन पर दिल्ली में हलचल

मोदी से नड्डा ने की चर्चा, जयपुर में वसुंधरा से 45 विधायक मिले, प्रदेशाध्यक्ष के पास 26 पहुंचे

जयपुर. कासं

राजस्थान सीएम को लेकर दिल्ली में बैठकों का दौर शुरू हो चुका है। बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने मंगलवार शाम पीएम नरेंद्र मोदी से मुख्यमंत्री चयन को लेकर चर्चा की है। पीएम से नड्डा की इस मुलाकात के बाद अब राजस्थान सीएम पर फैसले की प्रक्रिया आगे बढ़ने की संभावना है। इससे पहले सोमवार (4 दिसंबर) को प्रभारी अरुण सिंह और प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने केंद्रीय मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। इधर, राजस्थान में बहुमत मिलने के बाद भाजपा में अब मुख्यमंत्री पद को लेकर अलग-अलग खेमों का शक्ति प्रदर्शन शुरू हो गया है। जयपुर में सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे से 45 विधायकों ने मुलाकात की है। वहीं, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी से 26 विधायक मिल चुके हैं। इसमें से 8 विधायक ऐसे हैं, जो दोनों नेताओं के पास गए थे। मंगलवार को वसुंधरा के समर्थक कालीचरण सराफ ने दावा किया कि वसुंधरा के घर 70 विधायक गए थे। दूसरी तरफ, सीपी जोशी से मिलकर जहाजपुर विधायक गोपीचंद मीणा ने कहा कि भाजपा ने केंद्र और सीपी जोशी के नेतृत्व में जीत हासिल की है। मीणा सोमवार को वसुंधरा के घर भी गए थे। प्रदेश प्रभारी अरुण सिंह ने भी जोशी के घर जाकर मुलाकात की थी। सीएम पद को लेकर उन्होंने कहा- पार्लियामेंट्री बोर्ड जो फैसला लेगा, वो ही सभी को मान्य होगा।

45 विधायक वसुंधरा से मिले: मंगलवार को पचपदरा (बाड़मेर) से अरुण चौधरी, लूणी (जोधपुर) से जोगाराम पटेल, भादरा (हनुमानगढ़) से संजीव बेनीवाल, करौली से दर्शन सिंह, डेगाना (नागौर) से अजय सिंह किलक और बहरोड़ (अलवर) से जसवंत यादव ने वसुंधरा से उनके आवास पर मुलाकात की। वहीं, सोमवार को मालवीय नगर (जयपुर) से कालीचरण सराफ, शेरगढ़ (जोधपुर) से बाबू सिंह राठौड़, दूदू (जयपुर) से प्रेमचंद बैरवा, मनोहरपुर थाना (झालावाड़) से गोविंद रानीपुरिया, किशनगंज (बारां) से ललित मीणा, अंता (बारां) से कंवरलाल मीणा, बारां से राधेश्याम बैरवा, डग (झालावाड़) से कालूलाल मीणा, गुडामालानी (बाड़मेर) से केके विश्नोई, सिकराय (दौसा) से विक्रम बंशीवाल, बांदीकुई (दौसा) से भागचंद टाकड़ा, नसीराबाद (अजमेर) से रामस्वरूप लांबा, छबड़ा (बारां) से प्रताप सिंह सिंघवी, जहाजपुर (भीलवाड़ा) से गोपीचंद मीणा,

वैर (भरतपुर) से बहादुर सिंह कोली, ब्यावर (अजमेर) से शंकर सिंह रावत, जायल (नागौर) से मंजू बाघमार, नावां (नागौर) से विजय सिंह चौधरी, पिंडवाड़ा-आबू रोड (सिरोही) से समाराम गरासिया, निवाई (टोंक) से रामसहाय वर्मा, बाली (पाली) से पुष्पेंद्र सिंह राणावत, केकड़ी (अजमेर) से शत्रुघ्न गौतम, लोहावट (जोधपुर) से गजेंद्र खींवसर, सादुलशहर (श्रीगंगानगर) गुरवीर सिंह ने भी वसुंधरा से मुलाकात की। इनके अलावा 15 और विधायक वसुंधरा से मिले हैं। वहीं दावा किया जा रहा है कि पूर्व सीएम से 60 विधायक मिल चुके हैं।

मधुमेह का उपचार कैसे होना चाहिए?

मधुमेह/डाइबिटीज के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी, जिससे घर बैठे ठीक कर सकते हैं...

अनेकों प्राचीन आयुर्वेदिक शास्त्रों को सार यह लेख मधुमेह रोगियों का उद्धार कर सकता है। निरंतर बढ़ती व्याधि मधुमेह-परहेज और उपचार में सहायक होगा। इस ब्लॉग में हजारों साल पुराने डाइबिटीज नाशक योगों-फार्मूलों का उल्लेख किया जा जा रहा है। इन्हें श्रद्धा भाव से आजमाकर मधुमेह की मलिनता से मुक्ति पाई जा सकती है।

नीम-हकीम खतरे की जान

भारत के प्राचीन ग्रन्थों में मधुमेह के बारे में वर्णन है। ज्यादातर लोग सुनी-सुनाई बातों में आकर कुछ भी दवाएं लेना शुरू कर देते हैं। एक समय नीम का चलन इतना चला कि लोगों ने एक दिन में 10 से 20 पत्ते नीम का उपयोग किया। जबकि द्रव्यगुण विज्ञान में स्पष्ट लिखा है कि नीम केवल फाल्गुन, छेत्र और वैशाख के शुरू के 15 दिन ही नवीन 3 से 4 कोपल खाएं, ताकि कंठ कड़वा हो जाये। नीम के अधिक सेवन से शरीर में दर्द, जोड़ों में सूजन, पाचनतंत्र की खराबी तथा थायराइड जैसी विकराल समस्या होती है। नीम ज्यादा खाने से इम्युनिटी भी घटने लगती है। मेथीदाने का केवल पानी पीने की सलाह हमारे आयुर्वेदिक शास्त्रों ने दी है। लोग एक दिन में 10 से 20 ग्राम मेथी भसक रहे हैं। मैथी गर्म होने की वजह से भयंकर कब्ज कारक होती है। भावप्रकाश ग्रन्थ कहता है कि युवा लोगों को 8 और 50 के बाद वालों को 3 से 4 बादाम ही लेना चाहिए। हल्दी की मात्रा एक दिन में 50 मिलीग्राम से अधिक नहीं होना चाहिए। आयुर्वेद सहिंता के मुताबिक सुबह उठते ही भूलकर गर्म या गुनगुना पानी जहर के समान है। किसी भी तरह का चूर्ण 5 से 8 ग्राम लेना पर्याप्त है, इससे अधिक पचता नहीं है। ये छोटे से अनुपान परिवर्तन आपके शरीर रूपी बर्तन को चमका सकते हैं।

मधुमेह की मलिनता

एक बार डाइबिटीज होने के बाद तन-मन विकारग्रस्त होकर पूरी तरह मलिन होने लगता है। मधुमेह एक साइलेन्ट रोग है। समूचे संसारमें इस समय बड़ी तेजी से एक व्याधि बढ़ रही है जिसका नाम है- मधुमेह (Diabetes)। कुछ समय पूर्व इसे खाये-पीये बड़े लोगों की बीमारी, अमरीकी निशानी और सम्पन्नता, बड़प्पन तथा वीआईपी लोगों में पनपने का प्रतीक माना जाता था। इसे राजाओं का राजरोग मकन्टे थे। मधुमेह आजकल युवाओं एवं गरीबों में भी समान रूप से फैलती हुई फैशन की तरह आम बात होती जा रही है। अखिल भारतीय चिकित्सा-विज्ञान द्वारा झुग्गी झोंपड़ी-क्षेत्रमें सम्पन्न कराये सर्वेक्षण के आँकड़ों के अनुसार अब तक 27 फीसदी लोग मधुमेह से ग्रस्त हैं। भारत में इस समय करीब 32 करोड़ से अधिक लोग इस बीमारी की चपेट में हैं। विश्व-स्वास्थ्य-संगठन (WHO)के अनुसार आगामी दो दशकों में यह संख्या दो गुनी हो जायगी। ये आँकड़े चौंकानेवाले हैं। भारतीय चिकित्सा विज्ञान के चिकित्सकों द्वारा डायबिटीजके नियन्त्रित करनेके सारे उपाय बेकार हो चुके हैं। डायबिटिक सेल्फ-केयर फाउण्डेशन का कहना है कि एक ओर तो लोगों की खान-पान की आदतों में बदलाव आ रहा है! लोग अब भोजन के बाद पान न खाकर, पुड़िया खा रहे हैं। खाने के बाद सौंफ, मिश्री खाने का चलन मात्र होटलों तक सीमित हो गया है।

बीमार करने वाला रोजगार

दूसरी ओर रोजगार ऐसा हो चला है कि शारीरिक श्रम करना ही नहीं पड़ता, जिससे डायबिटीजके मामलों में तेजी से वृद्धि

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर। 9828011871

बढ़ रही है और बड़ी संख्या में गरीब इंसुलिन के अभावमें मौत के मुँह में जा रहे हैं। वर्तमान में अनियमित जीवन शैली, प्राकृतिक चिकित्सा से बेरुखी ओर आयुर्वेद से घृणा के चलते डायबिटीज को लेकर हालात बेकाबू हो रहे हैं। एलोपैथी की केमिकल दवाओं ने मस्तिष्क की नाड़ियों को तबाह कर दिया, जिससे 50 फीसदी लोग मानसिक विकृति के शिकार हो रहे हैं।

स्वस्थ्य रहने का फार्मूला

रावण ने अर्क सहिंता में लिखा है कि देह से बड़ा धर्म कोई अन्य नहीं है। सारे सुख का आधार हमारा शरीर ही है। अगर शरीर को सुख देना चाहते हो, तो इसे तपाओं, कड़ा परिश्रम करो! नियमित व्यायाम, अभ्यङ्ग करो, तो यह बहुत आराम देगा और तन को जितना आराम दोगे, यह उतने ही रोग देगा। सोचना आपको है। दशरथ बनने की हसरत हो, तो कसरत करें। कसरती आदमी बेहतरीन पति होते है। तंदरुस्ती के कुछ तहजीब हैंसुबह जल्दी उठो, बिना स्नान और शिवभक्ति के अन्न ग्रहण न करो। पैदल अधिक चलो, द्वेष-दुर्भावना से मुक्त रहो। !!ॐ शम्भूतेजसे नमःशिवाय!! का निरंतर जाप करते रहो, जब तक कि यह अजपा न हो जाये। ध्यान रखें.. दुनिया में हर कोई आपको लूटने के लिए बैठा है। ध्यान भटका, कि खुटका शुरू। शरीर कोरे ज्ञान से नहीं चलता।

डाइबिटीज की दरिद्रता

यह बीमारी गरीबी लाने वाली कही जाती है। शरीर से दरिद्र, तो पहले हो जाते हो और फिर दवाओं के चक्कर में धन से गरीबी आने लगती है। बम-बम भोले जपता जास्कंदपुराण का समस्त सार यह है कि जो नमःशिवाय जपता, दुःख जन्म-जन्म का कटता। बम-बम (बं-बं) बीज मंत्र है- स्वाधिष्ठान चक्र का। यह मूलाधार के बाद दूसरा चक्र है। अगस्त्य सहिंता के अनुसार जब यह चक्र सुप्तावस्था में जाने लगता है, तो शरीर की तकदीर बिगड़ने लगती है। स्वास्थ्य-विशेषज्ञ इस बीमारी को 'डायबिटीज बम' के नाम से सम्बोधित कर चेताने लगे हैं। 'नेशनल मेडिकल एजूकेशन रिसर्च फोरम' के मतानुसार जागरूकता का होता अभाव और साक्षरता की कमी के कारण मधुमेह की समस्या और जटिल होती जा रही है। क्योंकि इस बीमारी से ग्रस्त अनेकों लोग रहते इसके बारे में जानते भी नहीं। अतः इस व्याधि को हमें खुद ही गम्भीरता से लेते हुए ठीक करना होगा। इसके लिए प्रकृति ने हमें अनेकों जड़ीबूटीउपहार स्वरूप प्रदान की हैं। मधुमेह के कारण, लक्षण एवं उपचार-पद्धति को प्रचारित-प्रसारित करना सही है लेकिन सबकी तासीर विभिन्न होती हैं। जरूरी नहीं कि जिस यपाय से आपको लाभ हुआ हो, तो दूसरे को भी होगा। इसलिए अपनी चिकित स्वयं अपनाएं। चरक सहिंता में 72 तरह के प्रमेह रोगों का उल्लेख है। वर्तमान विनाश काल में प्रगतिशीलता तथा आधुनिकताके नाम पर प्रदूषित, अनुचित तथा अप्राकृतिक विधि के आहार-व्यवहार, खान-पान, रहन-सहन, आचार-विचार तथा तनाव-लगाव की मनोवृत्ति के फलस्वरूप भी मनुष्यमें मधुमेह की व्याधि तेजी से बढ़ रही है। आलस्य से फालिसडाइबिटीज बीमारी की चपेट में हर उस व्यक्तिके आनेकी सम्भावना रहती है, जो श्रमजीवी-परिश्रमी नहीं, आराम की जिन्दगी जीता, खाता-पीता तथा मोटा-ताजा है। विश्व के विकसित देशोंमें यह आम धारणा है कि ४० वर्षकी आयु होते-होते यदि पेट में अल्सर नहीं हुआ, तो क्या खाक खाया- पिया? अगर हृदयरोग या उच्च रक्तचाप नहीं हुआ, तो जिन्दगी में क्या झकमारी?

-निरंतर

जैन इन्जिनियरिंग सोसायटी इन्टरनेशनल फाउंडेशन जयपुर साउथ चेप्टर की दुबई यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन इन्जिनियरिंग सोसायटी इन्टरनेशनल फाउंडेशन जयपुर साउथ चेप्टर की दुबई यात्रा 26 नवम्बर 23 को भट्टारक जी की नशियां में णमोकार मंत्र का जाप के साथ रवाना हुई। श्री दिगंबर जैन महावीर जी अतिशय कमेटी के सदस्य इन्जी पीके जैन के द्वारा दीप प्रज्वलन कर यात्रा की शुभकामना दी। जैन इन्जिनियरिंस सोसायटी जयपुर साउथ चेप्टर के तत्वावधान मे इन्जी पीसी छाबड़ा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के साथ 33 सदस्यों का दल दिनांक 26 नवम्बर 23 को रवाना हो कर 4 दिसम्बर 23 को प्रातः लोटे इसमें 12 साल से 75 साल तक के महानुभावोंने उत्साह पूर्वक भाग लिया । सभी ने वहां पर सभी मुख्य मुख्य दर्शनीय स्थानों का भ्रमण किया।समस्त यात्रा में जैन धर्म के सिद्धांतों का पालन करते हुए प्रातः की प्रार्थना णमोकार मंत्र दर्शन पाठ का उच्चारण सभी एक साथ करते थे फिर दर्शनीय स्थानों का अवलोकन कर आंनद लेते हुए रोज सुबह से शाम घूमकर रात्रि में वापस होटल में आते थे ।शाम को यथासंभव आरती करते थे।

आर्यिका रत्न 105 भारतेश्वरमति माताजी के अवतरण दिवस पर जल और दूध से पाद प्रक्षालन किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर बगरू में चातुर्मास प्रवास कर रही आर्यिका रत्न 105 भारतेश्वर मति माताजी का आज अवतरण दिवस बड़े ही सादगी से कार्यक्रम मनाया गया। जिसमें बगरू दिगंबर जैन समिति कार्यकारिणी आशीष चौधरी, संदीप चौधरी, गौतम जैन, दीपक चौधरी, आशीष गोधा, जयपुर से इस कार्यक्रम में पहुंचे श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एसएफएस मानसरोवर के महामंत्री सौभाग मल जैन,नरेंद्र छाबड़ा, राजेंद्र जैन नैनवा, नरेंद्र जैन शाह, श्रीमती मंजू जैन ने प्रशुक जल एवं दूध से माता जी के पाद प्रक्षालन करने का सौभाग्य प्राप्त किया माताजी ने सबको बहुत-बहुत आशीर्वाद दिया।

रावतसर बार एसोसिएशन के चुनाव संपन्न

रावतसर. शाबाश इंडिया। स्थानीय बार एसोशियेशन की बैठक न्यायालय परिसर में संपन्न हुई। जिसमें सर्वसम्मति से वर्ष 2024 के लिए कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में अध्यक्ष लिच्छिराम छिम्पा, सचिव संतलाल बिजारणिया, उपाध्यक्ष राकेश भाकर, कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार व पुस्तकालय अध्यक्ष रामप्रताप वर्मा को मनोनीत किया गया। इस दौरान अधिवक्ता एम.एल.शर्मा, मनसाराम झोरड़, तरुण शर्मा, सतीश सहू, संजय बराड़ा, दुलीचंद अटवाल, अर्जनलाल वर्मा, कमलेश पांडे, विक्रम कड़वासरा, रविन्द्र पारीक सहित काफी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे। कार्यकारिणी गठन के बाद वकीलों ने सभी का आभार जताया।

वेद ज्ञान

विश्व शांति

पूर्व के देशों में लोगों की यह मान्यता है कि मनुष्य जीवन के तीन पहलू हैं और तीनों का विकास होना चाहिए। ये पहलू हैं-बौद्धिक, शारीरिक और आध्यात्मिक। दुर्भाग्य से हम अपने आध्यात्मिक पहलू को भूल गए हैं, जबकि हम बौद्धिक हैं और शारीरिक विकास में बहुत आगे बढ़ चुके हैं। चाहे कोई पूर्व से हो या पश्चिम से, सभी आमतौर से यह मानते हैं कि हमारे शरीर में आत्मा का निवास है और आत्मा ही वह ताकत है, जो हमें जीवित रखती है। यह विश्वास किया जाता है कि जब आत्मा शरीर को छोड़ती है तो मृत्यु हो जाती है। हम खुशनसीब हैं कि हमने मनुष्य जन्म पाया है। अपने इसी जीवन में यदि हम अपने आध्यात्मिक विकास के लिए समय नहीं निकालेंगे तो हम मनुष्य जन्म का पूरा फायदा हासिल नहीं कर सकेंगे। अध्यात्म जीवन के उच्च आदर्शों को विकसित करना सिखाता है और बेहतर इंसान बनाना सिखाता है। अध्यात्म का मतलब है बिना रंग, धर्म, देश, अमीर-गरीब या पूर्व-पश्चिम का भेदभाव बगैर पूरी इंसानियत के प्रति अपने दिलों में प्यार पैदा करना। प्रभु की ज्योति सभी लोगों के अंदर है, यह अहसास हमें विश्व में शांति और समता का भाव लाने में मदद करेगा। एक बार हम महसूस कर लें कि हमारी आत्मा, परमात्मा का अंश है और यह अंश सभी इंसानों के अंदर समान रूप से है और इंसान ही नहीं, सृष्टि के सभी जीवों में है तो हम किसी का कोई नुकसान नहीं करेंगे। उसके बाद हम सबके अंदर अच्छाई देखना शुरू कर देंगे। हम दूसरों की भलाई के बारे में सोचने लग जाएंगे। हम प्रकृति को नष्ट करना बंद कर देंगे। प्रभु ने इस पृथ्वी पर जिंदा रहने के लिए कुदरत के उपहार प्रदान किए हैं। जब हम कुदरत की चीजों को नष्ट करते हैं, जो हमें मिली हैं, अथवा जब हम जमीन से अपनी जरूरत से अधिक वस्तुएं लेते हैं तो जमीन को सुधारने के बजाय उसे प्रदूषित करते हैं। इस स्थिति में हम पूरी दुनिया को नुकसान पहुंचाते हैं। ब्रह्मांड को पूरे संतुलित तरीके से बनाया गया है। यदि हम प्रकृति का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। और यदि हम स्वयं का पूरा ध्यान नहीं रखते हैं तो बहुत नुकसान उठाना पड़ता है। चाहें वह बौद्धिक रूप से हो, शारीरिक रूप से हो या आध्यात्मिक रूप से हो तो दुनिया में हमारा जीवन भी प्रभावित होता है।

संपादकीय

भारत के परहेज की वजह और जलवायु संकट

जलवायु संकट का समाधान निकालने के लिए वैश्विक स्तर पर जो भी प्रयास हो रहे हैं, उनमें भारत ने बढ़-चढ़ कर अपनी भूमिका निभाई है। मगर इस क्रम में कई बार बिगड़ते जलवायु का हवाला देकर ऐसे कायदे समान रूप से सभी देशों के लिए जरूरी बनाने की कोशिश की जाती है, जिन्हें प्रथम दृष्टया तो कारगर कहा जा सकता है, मगर दूसरे स्तर पर वे कुछ देशों के लिए मुश्किल या फिर नुकसानदेह भी साबित हो सकते हैं। दुबई में सीओपी28 के जारी सम्मेलन में जलवायु संकट के सवाल पर जो चिंताएं जाहिर की गईं, समस्या के हल के लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए गए, भारत ने अपनी सीमा में उन सबसे सहमति जताई है। साथ ही, कार्बन उत्सर्जन को कम करने के क्षेत्र में भारत ने जितनी गंभीरता से काम किया है, उसका भी उल्लेख किया गया। भारत को इस बात की

भी चिंता करनी है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जो नियम-कायदे तय किए जाते हैं, उन पर अन्य देश भले सहमत हों, लेकिन कोई खास नियम या बिंदु यहां के संदर्भ में कितने उपयुक्त हैं या फिर कहीं उससे देश के सामने कोई नई समस्या तो नहीं खड़ी हो जाएगी! यही वजह है कि भारत ने जलवायु और स्वास्थ्य को लेकर तैयार किए गए सीओपी28 घोषणापत्र पर हस्ताक्षर करने से परहेज किया। खबर के मुताबिक, घोषणापत्र के दस्तावेज में स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे के भीतर शीतलन या ''कूलिंग उपकरणों'' के लिए ग्रीनहाउस गैसों के उपयोग पर अंकुश लगाने की शर्त थी। दरअसल, कम समय में देश के मौजूदा स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे के मद्देनजर ग्रीनहाउस गैसों के उपयोग को सीमित करने का लक्ष्य हासिल करना भारत के लिहाज से व्यावहारिक नहीं था। घोषणापत्र में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में गहन, तीव्र और निरंतर कटौती से स्वास्थ्य के लिए लाभ प्राप्त करने के मकसद से जलवायु कार्रवाई का आह्वान किया गया है। इसमें उचित बदलाव, कम वायु प्रदूषण, सक्रिय गतिशीलता और स्वस्थ पोषण शामिल है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि बीते कई दशकों में जलवायु संकट पर जताई जाने वाली चिंता के समांतर तमाम अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में हल के उपायों पर जोर देने के बावजूद यह समस्या लगातार गहराती गई है। इन हालात के लिए ग्रीनहाउस गैसों या कार्बन उत्सर्जन जैसे कारणों और उसमें विकसित देशों की भूमिका बिल्कुल स्पष्ट रही है। जहां तक भारत का सवाल है, कार्बन उत्सर्जन के मामले में इसने अपेक्षा से ज्यादा तेज रफ्तार से सुधार किया और समय से पहले ही इसमें काफी कमी लाने में कामयाब रहा। दूसरी ओर यह भी हकीकत है कि भारत जैसे कई देशों में अब भी स्वास्थ्य और कुछ अन्य क्षेत्रों में शीतलन की प्रक्रिया एक अनिवार्यता है और इसीलिए घोषणापत्र के इस बिंदु का पूरी तरह अनुपालन करना भारत के लिए मुश्किल है। यों भी, भारत में फिलहाल स्वास्थ्य मामले में बुनियादी सेवाओं की जो तस्वीर है, उसमें अगर शीतलन के लिए ग्रीनहाउस गैस में एक सीमा से ज्यादा कटौती की जाती है, तो उससे चिकित्सा सेवा के क्षेत्र की जरूरतों को पूरा करने में बाधा आ सकती है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

स्वायत्तता बनाम सुरक्षा

पंजाब में सीमा सुरक्षा बल यानी बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र बढ़ाने को लेकर दायर मुकदमे पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने पंजाब सरकार को मौखिक रूप से आश्वस्त किया कि इस फैसले से पुलिस की शक्तियों का अतिक्रमण नहीं होगा। अदालत ने इस मामले में केंद्र और राज्य सरकार को आपस में विचार-विमर्श करने को कहा है, ताकि अगली तारीख पर इस विवाद को निपटाया जा सके। दरअसल, दो साल पहले केंद्र सरकार ने पंजाब में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र अंतरराष्ट्रीय सीमा के पंद्रह किलोमीटर से बढ़ा कर पचास किलोमीटर कर दिया था। इस पर तत्कालीन राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में गुहार लगाई थी कि इस तरह उसकी कानून-व्यवस्था संबंधी शक्तियों को छीना जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बीएसएफ के पास अवैध प्रवेश पर नजर रखने, फर्जी पासपोर्ट की पहचान, तलाशी और जब्ती जैसे अधिकार होते हैं, जबकि पुलिस सभी तरह के संज्ञेय अपराधों पर नजर रखती है। मगर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह समवर्ती प्रकृति का मामला है और इसमें पुलिस और बीएसएफ साथ मिल कर काम कर सकते हैं। हालांकि पंजाब सरकार के तर्कों से ऐसा नहीं लगता कि रुख में बदलाव आया है। दरअसल, बीएसएफ अधिनियम 1968 की धारा 139 के अनुसार अंतरराष्ट्रीय सीमा से पचास किलोमीटर के दायरे में बीएसएफ का अधिकार होगा। ऐसा सभी राज्यों में है। मगर पंजाब और पश्चिम बंगाल में ऐसा नहीं था। पंजाब में बीएसएफ का अधिकार क्षेत्र केवल पंद्रह किलोमीटर रखा गया था। गुजरात में यह क्षेत्र अस्सी किलोमीटर तक हुआ करता था, जिसे घटा कर पचास किलोमीटर कर दिया गया। पंजाब को इस पर एतराज इसलिए है कि उसकी बनावट गुजरात और राजस्थान जैसी नहीं है। राजस्थान में अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे क्षेत्र में रेगिस्तान है, जबकि गुजरात में अधिकतर दलदली भूमि है। गुजरात के केवल दो शहर इससे प्रभावित होते हैं। पंजाब का करीब अस्सी फीसद हिस्सा इससे प्रभावित होता है और उसके ज्यादातर जिला मुख्यालय भी उसके दायरे में आ जाते हैं। कई प्रमुख शहर और कस्बे इससे प्रभावित होंगे। जाहिर है, इससे राज्य सरकार के लिए कानून-व्यवस्था संबंधी फैसले करने में दिक्कतें पेश आएंगी। फिर, एक अड़चन यह भी है कि बीएसएफ और पुलिस का प्रशिक्षण बिल्कुल भिन्न कामों के लिए होता है। बीएसएफ का ध्यान सीमा सुरक्षा पर होता है, जबकि पुलिस को नागरिक सुरक्षा से जुड़ी हर तरह की आपराधिक गतिविधियों पर नजर रखनी होती है। इसलिए शहरी क्षेत्रों में बीएसएफ की मौजूदगी से आने वाली मुश्किलों को समझा जा सकता है। मगर सीमा सुरक्षा के मामले में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा सकती। पंजाब एक ऐसा राज्य है, जो पाकिस्तान की सीमा से बहुत करीब है। वहां तस्करी, मादक पदार्थों की बिक्री, अवैध रूप से हथियार पहुंचाने के लिए आतंकवादी अक्सर प्रयास करते पकड़े जाते हैं। पिछले कुछ सालों में जिस तरह वहां फिर से अलगाववादी शक्तियां सक्रिय हुई हैं और उनके तार अंतरराष्ट्रीय चरमपंथी संगठनों से जुड़े पाए गए हैं, उससे सीमा सुरक्षा को लेकर केंद्र सरकार की चिंता समझी जा सकती है। पंजाब को भी ऐसी गतिविधियों का नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में अपने अधिकार क्षेत्र को लेकर तनातनी उचित नहीं कही जा सकती। पूर्वोत्तर के बहुत सारे इलाकों में पुलिस और सीमा सुरक्षा बल साथ मिल कर काम करते हैं, उनके तौर-तरीके को आधार बना कर बीच का रास्ता निकालना मुश्किल नहीं माना जा सकता।

पत्रकारिता और पत्रकारों के प्रेम से बढ़कर जीवन का कोई मूल्य नहीं: गोपाल शर्मा

पिंकसिटी प्रेस क्लब में पत्रकारों ने किया विधायक गोपाल शर्मा का भव्य स्वागत

जयपुर. शाबाश इंडिया

पिंकसिटी प्रेस क्लब की ओर से राज्य के वरिष्ठ पत्रकार एवं नवनिर्वाचित विधायक गोपाल शर्मा जी का मंगलवार को पत्रकार परिवार सहित विभिन्न संगठनों ने भव्य स्वागत किया गया। भव्य स्वागत से अभिभूत शर्मा ने कहा कि मैं राजनीतिज्ञ अब बना हूं, पत्रकार पहले से मेरे दिल में बसते हैं। प्रेस की सभी समस्याओं का समाधान अब मेरी गारंटी है। उन्होंने कहा कि राज्य के निर्माण में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को और मजबूत किया जाएगा। प्रेस क्लब के अध्यक्ष राधारमण शर्मा, महासचिव रामेन्द्र सोलंकी, उपाध्यक्ष विजेन्द्र जायसवाल, राहुल भारद्वाज, कोषाध्यक्ष राहुल गौतम एवं प्रबन्ध कार्यकारिणी ने शर्मा का पुष्पगुच्छ, शॉल, साफा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत एवं सम्मानित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार मिलाप चन्द डांडिया ने की।

भागवत ज्ञानयज्ञ समारोह की तैयारियों को लेकर हुई बैठक

जयपुर. शाबाश इंडिया। भागवत मिशन परिवार के बैनर तले गिर्राज संघ परिवार विश्वकर्मा,जयपुर का परिवार का 25वां वार्षिकोत्सव इस बार आगामी 3से 9जनवरी तक धूमधाम से मनाया जाएगा। गौ माता सेवार्थ होने वाले इस 108 विशाल श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ का भव्य आयोजन में परमश्रद्धेय व ख्यातिप्राप्त कथावाचक मृदुल कृष्ण गोस्वामी

अपने मुखारबिंदु से भक्तों का कथा का रसपान कराएंगे। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर आज एक बैठक संस्था कार्यालय में हुई। बैठक में आयोजन की तैयारियों पर चर्चा की गई। भागवत मिशन परिवार के अध्यक्ष मदन सोमानी ने बताया कि इस मौके पर भागवत ज्ञानयज्ञ का शुभारंभ पीठाधीश्वर सिद्धपीठ धाम मेहंदीपुर बालाजी धाम के महंत डॉ.नरेशपुरी जी महाराज दीप प्रज्जवलित कर करेंगे। यह ज्ञानयज्ञ विद्याधर नगर सेक्टर-7 अग्रसेन हॉस्पीटल के पीछे स्थित मैदान पर होगा। परिवार के मंत्री गिरीष अग्रवाल ने बताया कि इस आयोजन के लिए रामरतन अग्रवाल व आशीष अग्रवाल को संयोजक बनाया गया है। आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया जा रहा है। आयोजन के दौरान करीब 20 हजार के आसपास श्रद्धालु भागवत कथा का श्रवण करेंगे,जिनके लिए आयोजन स्थल पर वाटरप्रूप पांडाल बनाया जाएगा। बैठक में और भी कई तैयारियां पर चिंतन व मंथन किया जाएगा। बैठक में उपाध्यक्ष पुष्प कुमार स्वामी व शरद केडिया,कोषाध्यक्ष सुधीर जाजू सहित आयोजन से जुड़े लोग मौजूद रहे।

पांच माह के प्रवास के बाद आचार्य श्री ने थूवोनजी की ओर विहार किया

जिस तरह से नगर प्रवेश हुआ वैसे ही तीर्थ वंदना की भावना हैं: विजय धुर्रा

अशोक नगर. शाबाश इंडिया

नगर में विराजमान परमपूज्य आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ ने आज शाम को चार बजे के दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की ओर विहार कर दिया । इसके पहले गत दो दिसंबर को गंज मन्दिर से श्री शांतिनाथ मंदिर और गत दिवस श्री पार्श्वनाथ मंदिर पहुंचकर धर्म सभा को सम्बोधित किया आज दोपहर बाद आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ससंघ ने दर्शनोदय तीर्थ थूवोनजी की ओर विहार कर दिया । खबर मिलते ही कमेटी के सदस्य ने संघको श्री फल भेंट कर और रूकने का निवेदन किया इसके पहले पार्श्वनाथ मंदिर कमेटी के संयोजक मनोज रन्नौद सहित अन्य भक्तों ने श्री फल भेंट किए। श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के मंत्री विजय धुर्रा ने कहा कि पंचायत कमेटी के अध्यक्ष राकेश कासंल, महामंत्री राकेश अमरोद, थूवोनजी कमेटी के अध्यक्ष अशोक जैन टींगू, महामंत्री विपिन सिंघाई, संयोजक उमेश सिघई सहित प्रमुख जन आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के चरणों में श्री फल भेंट करने गये है हम पंचायत कमेटी की ओर से निवेदन कर रहे हैं कि जिस तरह से पांच माह पहले जुलाई आपका भव्य नगर प्रवेश कराया था वैसे ही पूरी समाज को लाभ मिलते हुए और अतिशय क्षेत्र दर्शनोंदय तीर्थ थूवोनजी की ओर तीर्थ वंदना यात्रा हो हम सब कमेटी की ओर से यही प्रार्थना लेकर आयें कल कमेटी के मुख्य पदाधिकारियों भी आ जायेगा । युवा वर्ग संरक्षण शैलेन्द्र श्रागर ने कहा कि आज इस तरह अचानक विहार होने से जनता को पता ही नहीं चला जाते जाते एक जो भक्तो को बड़ा लाभ मिलने वाला था उससे रह गए ।

चतुर्थ गति में भ्रमण का नाम ही तो संसार हैं : आचार्य श्री

इसके पहले आज पार्श्वनाथ मंदिर में आचार्य श्री आर्जव सागर जी महाराज ने कहा कि यह संसार अनादिकाल से आत्मा के साथ लगा हुआ है। इस संसार का अंत कब होगा? कब इस आत्मा को जन्म मरण के दुखों से छुटकारा मिलेगा? इस बात का चिंतन हमेशा भव्य आत्मा को आता है। इस संसार में संसार और मोक्ष दो ही चीजें हैं। चतुर्गति में भ्रमण का नाम संसार है ''जो जैसी करनी करता है, वैसा ही फल पाता है।'' कोई व्यक्ति बहुत आरंभ परिग्रह करता है तो नरक में जाता है जो मायाचारी करता है,वह तिर्यंच गति हो पाता है और जो अल्प आरंभ परिग्रह रखते हैं और स्वभाव से मृदु परिणामी होते हैं। वह मनुष्य गति में जन्म लेते हैं तथा व्रत नियम पालने वाले शील संयम पालन करने वाले देव गति में जन्म लेते हैं।

धर्म की बहुत बड़ी महिमा है

उन्होंने कहा कि धर्म की बहुत बड़ी महिमा है। इसमें स्वभाविक सब कर्मों की व्यवस्था है। हमारा लक्ष्य मोक्ष अवस्था प्राप्त करने का होना चाहिए। वह कैसे प्राप्त होगा उस के संदर्भ में आचार्य श्री ने कहा कि कर्मों से मुक्त होने अर्थात कर्मों से छूटने का नाम मोक्ष है। वह मोक्ष जहां आठों कर्मों का छय हो वहां होता है। रागद्वेष करने से कर्मों का बंध होता है और जन्म मरण के जंजाल में फंसकर चतुर्गति में भ्रमण कराता है। अगर हमें संसार से निकलना है तो उसका उपाय मात्र कर्मों का क्षय हैं। कर्मों के क्षय के बिना संसार से मुक्त नहीं हो सकते। जिस प्रकार बीज को जलाने से वृक्ष की परंपरा समाप्त हो जाती है। ऐसे ही पूरे संसार को नष्ट करने की अपेक्षा कर्मों को ध्यान अग्नि के माध्यम से जलाकर संसार का अंत कर सकते हैं तथा मोक्ष को प्राप्त कर सकते हैं। ऐसे महान रत्नत्रय को प्राप्त करने की सामर्थ मात्र भव्य जीवो में ही होती

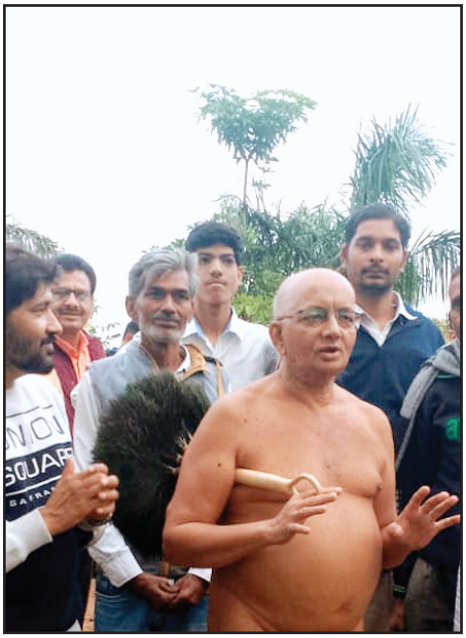

है। आप भी सभी भव्य जीव है जो देव शास्त्र गुरु की वाणी सुन रहे हैं, उनकी सेवा, भक्ति कर रहे हैं। यह भक्ति आपको एक नाएक दिन अवश्य मुक्ति दिलाएगी। इस दौरान श्री दिगम्बर जैन पंचायत कमेटी के कोषाध्यक्ष सुनील सुनील अखाई उपाध्यक्ष अजित वरोदिया राजेन्द्र अमन मेडिकल प्रदीप तारई मंत्री शैलेन्द्र श्रागर आडिटर संजय केटी विनोद मोदी (मंत्री थूवोनजी,)श्री कमेटी के संयोजक मनोज रन्नौद श्रेयांस घेला मनीष सिघई संजीव भारिल्ल अशीष वजरंगी मनीष सीटू नवीन सर प्रमोद मंगलदीप अविनाश धुर्रा निर्मल मिर्ची हेमंत टडैया महेश घमंडी सुधीर जैन संजय सहित अन्य जन विशेष रूप से उपस्थित थे।

गौमाता की आराधना हो,सेवा हो उस स्थान को आध्यात्मिक भाषा में कहते हैं गोवर्धनः जगद्गुरु शंकराचार्य

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्रीमती नर्बदा देवी शर्मा धर्मपत्नी विष्णु शर्मा की पुण्य स्मृति में झोटवाड़ा रोड स्थित श्रीचमत्कारेश्वर महादेव मंदिर मे चल रहे श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के पांचवें दिन मंगलवार को काशी धर्मपीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज ने कहा कि जहां पर गौमाता की आराधना हो,सेवा हो उस स्थान को आध्यात्मिक भाषा में गोवर्धन कहते हैं।माता यशोदा जब भगवान श्री कृष्ण को पूतना के वक्षस्थल से उठाकर लाती है उसके बाद पंचगव्य गाय के गोबर गोमूत्र से भगवान को स्नान कराती है। महराज जी ने कहा की सभी को गौमाता की सेवाए गायत्री का जाप और गीता का पाठ अवश्य करना चाहिए। गाय की सेवा से 33 करोड देवी-देवताओं की सेवा हो जाती है। महाराजश्री ने आगे कहा कि भगवान ब्रजरज का सेवन करके यह दिखला रहे हैं कि जिन भक्तों ने मुझे अपनी सारी भावनाएं व कर्म समर्पित कर रखें हैं वे मेरे कितने प्रिय हैं। भगवान स्वयं अपने भक्तों की चरणरज मुख के

द्वारा हृदय में धारण करते हैं। पृथ्वी ने गाय का रूप धारण करके श्रीकृष्ण को पुकारा तब श्रीकृष्ण पृथ्वी पर आए हैं,इसलिए वह मिट्टी में नहाते, खेलते और खाते हैं जिससे पृथ्वी का उद्धार कर सकें। उन्होंने आगे कहा कि श्रीकृष्ण वह तत्व है जो केवल और केवल इस कलिकाल में केवल नाम स्मरण मात्र से प्राप्त हुआ करते हैं।बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए कृष्ण द्वारा अधर्म,पाप,दुष्कृत एवं सहजजनों को कष्ट प्रदान करने वाले असुरों का दमन किया।बाल लीलाओं को सुनकर कथा पांडाल में मौजूद श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए। महाराजजी ने कथा में कृष्ण के जन्म उत्सव, नामकरण संस्कार, पूतना वध,अघासुर-बकासुर, तृणावर्त राक्षसों के वध एवं भगवान शिव के द्वारा बालकृष्ण दर्शन आदि अनेक रसमयी,अमृतमयी कथाओं का वर्णन कर भक्तों का मन लुभाए।श्रीकृष्ण प्रकट होकर भक्तों को लीला का दर्शन कराया. जो प्रभु की भक्ति को अपने हृदय रूपी कमल में छिपाकर रखे,गोपी व ग्वाल वाल है। महाराजश्री ने यह भी कहा कि व्यक्ति को मन से कपट का परित्याग करना चाहिए। कभी-कभी सारी क्रियाएं सब कुछ सही होती हैं लेकिन जाने-अनजाने में कभी-कभी हम लोगों से वैष्णव अपराध होता है। जिसके कारण भागवत कृपा नहीं होती और न ही भागवत दर्शन हो पाते। आज के समय में यह अपराध आसानी से हो जाता है। सात दिवसीय भगवान की विभिन्न कथाओं को सुनकर दर्शक, श्रद्धालू अविभूत हुए लीलाओं का रसपान करके परमानन्द की अनुभूति किया। इस अवसर पर अक्षय शर्मा ऋतिक शर्मा तथा सम्पूर्ण शर्मा परिवार एवं अन्य प्रांतों से आए भक्तों की उपस्थिति रही। आयोजक हरीष-ज्योति शर्मा ने बताया कि महोत्सव के तहत बुधवार को श्रीमहारास लीला,गोपी गीत व द्वारिका लीला की कथा सुनाएंगे। उन्होंने महोत्सव के अंतिम दिन 7 को श्रीनवयोगेश्वर संवाद, द्वादश स्कंध के बाद कथा की पूणार्हुति होगी। कथा रोजाना दोपहर 2बजे से साम 5बजे तक होगी।

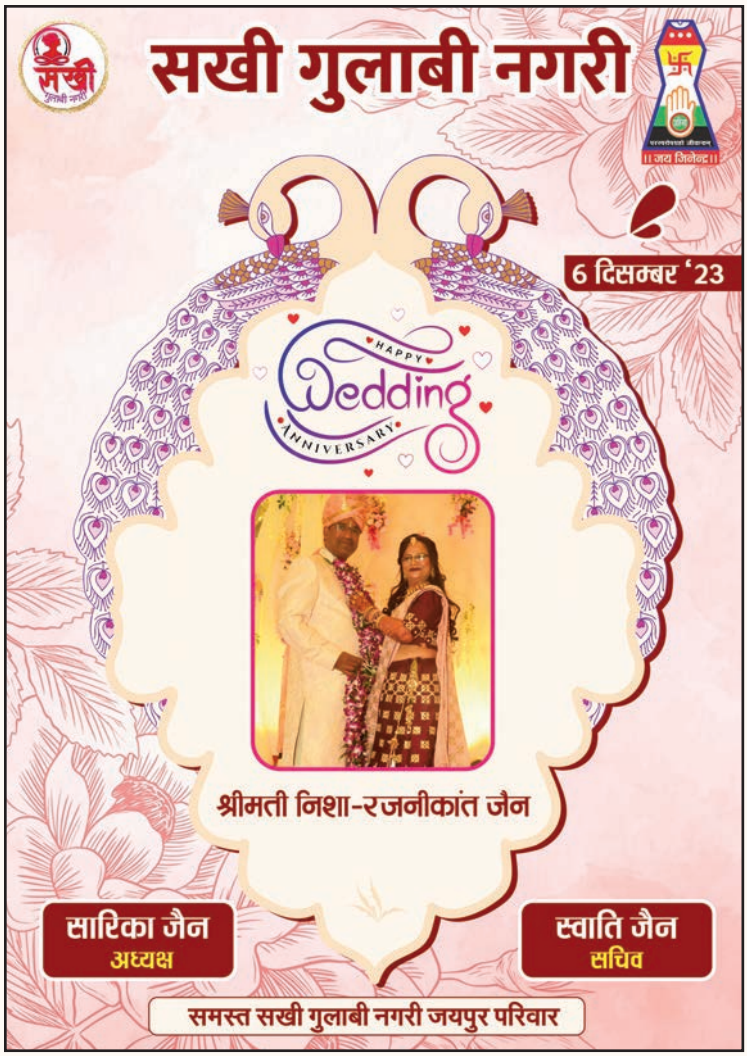

जैन समाज ने बच्चो को स्वेटर वितरित की

सुजानगढ़. शाबाश इंडिया

स्थानीय श्री दिगम्बर जैन समाज द्वारा संचालित श्री महावीर विद्या मंदिर में श्रीमती प्रभा देवी सेठी (सुपुत्री स्वर्गीय आनंदीलाल जी पाटनी) धर्मपत्नी ओमप्रकाश सेठी गुवाहाटी प्रवासी के सौजन्य से विद्यालय के सभी छात्र छात्राओं को स्वेटर वितरित किए गए। विद्यालय व्यवस्थापक महावीर प्रसाद पाटनी ने बताया कि भामाशाह बसंत कुमार पाटनी गुवाहाटी प्रवासी के सानिध्य में आयोजित कार्यक्रम में श्री दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष सुनील जैन सडूवाला,मंत्री पारसमल बगड़ा ,समाजसेवी विमल कुमार पाटनी, सामाजिक कार्यकर्ता विनीत बगड़ा मंचस्थ थे। सर्वप्रथम विधा की देवी मां सरस्वती के चित्र के समक्ष अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सुनील जैन सडूवाला ने उपस्थित छात्र छात्राओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि जियो और जीने दो के सिद्धांत के साथ कड़ी मेहनत करके संस्कारयुक्त शिक्षा ग्रहण कर देश व समाज का नाम रोशन करना चाहिए। मंत्री पारसमल बगड़ा ने सेठी परिवार के पुनीत सेवा प्रकल्प के लिए साधुवाद ज्ञापित किया। मदनलाल विनोद कुमार ,बसंत कुमार, मक्खनलाल पाटनी चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधि सेवानिवृत्ति व्याख्याता रामेश्वरलाल अग्रवाल ने ट्रस्ट की गतिवधियो को रेखांकित करते हुए बताया कि ट्रस्ट का हर समाजिक कार्यों में सहयोग रहा है व विद्यालय परिवार को भी आवश्यक सहयोग निरंतर मिलता रहेगा। इस अवसर पर हिमानी शर्मा,विनीता माली,प्रीति गुर्जर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन प्रधानाध्यापिका संगीता शर्मा ने किया।

अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता और एसटीईएम अध्ययन में लिंग अंतर को संबोधित करना क्यों महत्वपूर्ण है?

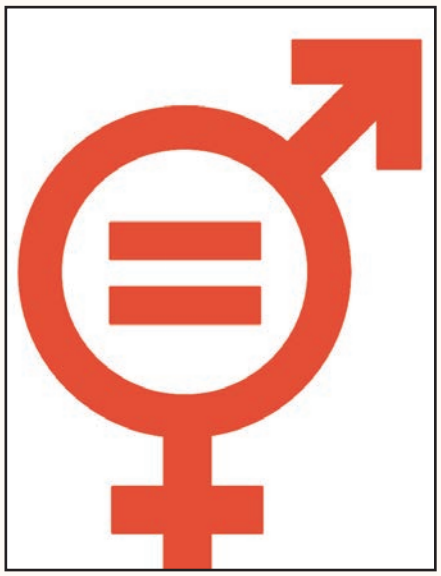

विजय गर्ग

विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) की वार्षिक लिंग अंतर रिपोर्ट, 2023 में लिंग समानता के मामले में भारत 146 देशों में से 127वें स्थान पर था - पिछले वर्ष से आठ स्थानों का सुधार। रिपोर्ट में कहा गया है कि जबकि भारत ने कुल लिंग अंतर का 64.3% कम कर दिया है; यह आर्थिक भागीदारी और अवसर पर केवल 36.7% समानता तक पहुँच पाया था। लगातार विकसित हो रहे वैश्विक कार्यबल में, शिक्षा और रोजगार दोनों में लिंग अंतर की निरंतरता एक चुनौती बनी हुई है जो भौगोलिक सीमाओं से परे है। दुनिया भर में, शिक्षा में लिंग-आधारित असमानताएँ बनी हुई हैं, जिससे जटिल चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। शिक्षा नामांकन दर, पूर्णता आँकड़े, शैक्षणिक उपलब्धियाँ और व्यक्तियों द्वारा चुने गए अध्ययन के क्षेत्रों के बीच संबंध उनके कैरियर प्रक्षेप पथ को आकार देने में सहायक है। इस संदर्भ में एक उदाहरण एसटीईएम विषयों-विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित में महिलाओं का कम प्रतिनिधित्व है। ये क्षेत्र न केवल उच्च पारिश्रमिक प्रदान करते हैं बल्कि स्थिरता और विकास का भी वादा करते हैं। हालाँकि, विविधता की यह कमी कुछ नौकरियों को विशिष्ट बनाए रखती है, जिसके परिणामस्वरूप लोगों के लिए विशेष प्रकार की नौकरी में बने रहने की संभावना अधिक हो जाती है। बदलते रुझान महिलाओं की बढ़ती उपस्थिति के कारण उच्च शिक्षा का परिदृश्य परिवर्तन का अनुभव कर रहा है। ऐतिहासिक रूप से, उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन चिंता का कारण रहा है, खासकर विकासशील देशों में जहां सामाजिक-आर्थिक और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाएं कॉलेजों और विश्वविद्यालयों तक उनकी पहुंच को सीमित करती हैं। हालाँकि, एक उत्साहजनक बदलाव आ रहा है क्योंकि पिछले चार दशकों में उच्च शिक्षा में महिलाओं का नामांकन पुरुषों की तुलना में अधिक हो गया है। इंस्टीट्यूट ऑफ इंटरनेशनल एजुकेशन (आईआईई) की हालिया रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में उच्च शिक्षा में महिला नामांकन में पुरुष नामांकन की तुलना में लगभग दोगुनी तेजी से वृद्धि हुई है। इस उछाल का श्रेय बेहतर इक्विटी और पहुंच, बढ़ी हुई आय की संभावनाओं और सभी शिक्षा स्तरों पर लैंगिक असमानता को कम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत आवश्यकता को दिया जा सकता है। आर्थिक विकास की भूमिका आर्थिक विकास लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और भारत और चीन जैसे देश इसके प्रमुख उदाहरण हैं। इन देशों के आर्थिक विकास ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों उच्च शिक्षा कार्यक्रमों में अधिक महिला नामांकन को प्रेरित किया है। भारत ने उच्च शिक्षा में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण प्रगति की है। उच्च शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण (एआईएसएचई) 2019-20 के अनुसार, महिला नामांकन अब पुरुषों की तुलना में अधिक है, पुरुषों के लिए 26.9% की तुलना में सकल नामांकन अनुपात 27.3% है। यह 2015-16 से 2019-20 तक महिला नामांकन में 18% की वृद्धि दशार्ता है। जबकि एसटीईएम क्षेत्रों में लिंग अंतर एक वैश्विक चुनौती बनी हुई है, भारत प्रगति कर रहा है। भारत में कई महिला एसटीईएम स्नातक पैदा होने के बावजूद, एसटीईएम क्षेत्रों में शोधकताओं में महिलाएं 15% से भी कम हैं। हालाँकि, डेटा से पता चलता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में एसटीईएम अध्ययन करने वाली भारतीय महिलाओं की संख्या बढ़ रही है, खासकर मास्टर स्तर पर। एसटीईएम में महिलाओं के लिए इंडो-यूएस फेलोशिप जैसी पहल भी इस लिंग अंतर को कम करने के लिए काम कर रही हैं। परिवर्तन की बयार बह रही है, जिससे महिलाएं विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं और शीर्ष संस्थानों में अपने सपने पूरे कर सकती हैं। आर्थिक विकास और सामाजिक-सांस्कृतिक बाधाओं के टूटने के साथ-साथ, सरकारों, बहुपक्षीय संगठनों द्वारा वित्त पोषित लक्षित छात्रवृत्ति और फेलोशिप भी शामिल हैं।निजी संस्थाएँ उच्च शिक्षा में महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं। फिर भी, अंतर्राष्ट्रीय गतिशीलता और एसटीईएम अध्ययन में लिंग अंतर को संबोधित करने के लिए व्यक्तियों, समाज और सरकारों के सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। केवल निरंतर प्रतिबद्धता और सहयोग के माध्यम से, हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि दुनिया भर में महिलाओं को उच्च शिक्षा और उससे आगे उत्कृष्टता प्राप्त करने के समान अवसर प्राप्त हों।

विजय गर्ग
सेवानिवृत्त प्रिंसिपल
शैक्षिक स्तंभकार मलोट

डॉ. सत्यवान सौरभ को लखनऊ में "पं. प्रताप नारायण मिश्र राष्ट्रीय युवा साहित्यकार सम्मान"

लखनऊ. शाबाश इंडिया। भाऊराव देवरस सेवा न्यास द्वारा देशभर से चयनित छह साहित्यकारों में से एक विभूषित साहित्यकार डॉ सत्यवान सौरभ को पच्चीस हजार पुरस्कार राशि, अंग वस्त्र, सरस्वती प्रतिमा व पंडित प्रताप नारायण मिश्र रचित साहित्य उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वन एवं पर्यावरण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. अरुण सक्सेना, बाबा साहब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह और संयोजक प्रो. विजय कर्ण द्वारा लखनऊ के माधव सभागार में प्रदान किया गया। विभिन्न विषयों के साथ-साथ खास तौर पर सम्पादकीय और दोहे लिखने की महारत के फलस्वरूप इन्हें विभिन्न संस्थाओं द्वारा कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार और सम्मान से सम्मानित किया गया है। तितली है खामोश (दोहा संग्रह), कुदरत की पीर (निबंध संग्रह), यादें (गजल संग्रह), परियों से संवाद (बाल काव्य संग्रह) और इश्यूज एंड पैन्स (अंग्रेजी निबंध संग्रह) डॉ. सौरभ की प्रमुख पुस्तकें हैं।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com